



देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 05

अंक - 57

जौनपुर, सोमवार, 12 अक्टूबर 2026

सान्ध्य दैनिक (संस्करण)

पेज - 4

मूल्य - 2 रुपये

संक्षिप्त खबरें अस्पतालों में इलाज की दें प्रदर्शित करना होगा जरूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अस्पतालों में इलाज के खर्च को लेकर पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में केंद्र सरकार ने अहम पहल की है। केंद्र ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से अस्पतालों और अन्य विलनिकल प्रविष्टाओं में स्वास्थ्य सेवाओं की दरें प्रमुखता से प्रदर्शित करना सुनिश्चित करने को कहा है। इसका मकसद मरीजों को इलाज के खर्च की स्पष्ट जानकारी देना और बिलिंग से जुड़े विवादों को कम करना है। मरीजों को इलाज से जुड़ी दरों की जानकारी आसानी से मिल सके, इसके लिए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखा है। पत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के शुल्क को पारदर्शी तरीके से प्रदर्शित करने से जुड़े प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया गया है। इस पहल से मरीजों और उनके परिजनों को स्वास्थ्य सेवाओं का चयन सोच-समझकर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, इलाज के बिल को लेकर होने वाले विवादों में कमी आने और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति लोगों का भरोसा मजबूत होने की उम्मीद है। केंद्र ने भारत में इलाज के लिए आने वाले विदेशी मरीजों के लिए भी मेडिकल और आयुर्वेद चिकित्सा के तहत उपचार पैकेजों की दरें पारदर्शी तरीके से प्रदर्शित करने की व्यवस्था को बढ़ावा देने का आग्रह किया है। केंद्र सरकार की इस पहल का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ाना, मरीजों को खर्च के प्रति जागरूक बनाना और इलाज की व्यवस्था को अधिक जवाबदेह बनाना है।

अभिजीत दिपके की दादी के निधन पर मदद की पेशकश का वीडियो जारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कॉर्पोरेट जनता पार्टी (सीजेपी) ने दिल्ली पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सीजेपी की तरफ से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा गया कि अभिजीत दिपके की दादी का निधन हो गया था, लेकिन इसके बाद भी पुलिसवालों ने उन्हें परिवार से बात करने की इजाजत नहीं दी। दिल्ली पुलिस ने इसका खंडन करते हुए कहा कि उन्हें इसकी जानकारी दी गई थी और घर जाने के लिए भी पूछा गया था, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया था। शहर खोजें दिल्ली पुलिस की तरफ से डीसीपी नेहा यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जैसे ही दिल्ली पुलिस को अभिजीत दिपके की दादी के निधन की खबर मिली, पुलिसकर्मी उन्हें यह दुखद समाचार देने गए। उनसे संवेदनशीलता के साथ पूछा गया कि उन्हें किस तरह की मदद चाहिए, जैसे फ्लाइट, फोन कॉल या कुछ और। उनसे बार-बार पूछा गया कि क्या वे अपने माता-पिता से बात करना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उन्हें सोचने का वक्त भी दिया गया। बाद में दोबारा भी पूछा गया। दिल्ली पुलिस ने एक वीडियो भी पेश किया, जिसमें पुलिसकर्मी अभिजीत दिपके से बातचीत करते और मदद की पेशकश करते दिखाई दे रहे हैं।

दुर्गा पूजा में सुरक्षा के हों कड़े प्रबंध, यातायात न हो बाधित - सीएम योगी

गोरखपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को दुर्गा पूजा में सुरक्षा के कड़े प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि त्योहार में किसी भी दशा में यातायात बाधित नहीं होना चाहिए। डीजे की आवाज निर्धारित मानक के अनुसार ही होनी चाहिए, ताकि किसी को परेशानी न होने पाए, उन्होंने अधिकारियों से इस पर ध्यान रखने को कहा। रविवार को गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर में अधिकारियों के साथ बैठक कर दुर्गा पूजा-दशहरा त्योहार की तैयारियों, कानून व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा की। सीएम ने कहा कि कहा कि सड़क पर दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित न हों,



इसके लिए दुर्गा पूजा समितियों से बात की जाए। त्योहार में सड़कों पर भीड़ अपेक्षाकृत अधिक होती है, इसलिए यातायात बाधित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध के साथ ऐसी कार्ययोजना

बनाए कि यातायात प्रभावित न होने पाए। त्योहारों पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के भी निर्देश दिए। त्योहार समाप्त होने पर प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे की आवाज को लेकर भी उन्होंने निर्देश दिए,

कहा कि अधिकारी दुर्गा पूजा समितियों से संवाद करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्गा प्रतिमाओं और पंडालों की ऊंचाई भी बहुत अधिक न हो, इसके लिए भी दुर्गा पूजा समितियों से संवाद किया जाए। सीएम योगी ने कहा कि प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए स्थान चिह्नित किए जाएं। जहां कृत्रिम पोखरे बनाए गए हैं, विसर्जन वहीं किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रतिमा विसर्जन के दौरान किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। निर्बाध रूप से प्रतिमाओं को विसर्जन स्थल तक जाने की व्यवस्था की जाए। रास्ते में अतिक्रमण न हो और कहीं बिजली के तार ढीले हों, जर्जर पोल हो तो उसे बदल लिया जाए। भीड़ का प्रबंध उचित तरीके से किया जाए।

प्रशासन से पुलिस, अधिकारी, इंजीनियर तक महिलाएं अपनी प्रतिमा से बना रहीं अलग पहचान नौकरी के साथ परिवार की जिम्मेदारियां भी बखूबी संभाल रहीं

(शारदीय नवरात्रि पर विशेष)
(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या [शारदीय नवरात्र में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना के बीच महिला सशक्तीकरण की चर्चा भी प्रासंगिक है। आज की महिलाएं व बेटियां अपनी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के बल पर हर क्षेत्र में सफलता के नए आयाम स्थापित कर रही हैं। प्रशासनिक सेवाओं से लेकर पुलिस विभाग, इंजीनियरिंग और विकास कार्यों तक महिलाएं महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाती हुई समाज और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रही हैं। साथ ही साथ परिवार की जिम्मेदारियों का भी बखूबी निर्वहन कर रही हैं। देखा जाये तो महिलाओं व बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने के

लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मिशन शक्ति अभियान और सुकन्या समृद्धि योजना जैसी पहलें बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण हैं। वहीं, विभिन्न पदों पर कार्यरत महिलाएं अपनी कार्यशैली और समर्पण से दूसरी बेटियों के लिए प्रेरणा बन रही हैं। प्रशासनिक सेवाओं में खासकर लखनऊ सचिवालय में समीक्षा अधिकारी के पद तैनात शिप्रा श्रीवास्तव, अमेठी जिले में जिला विपणन खाद्य अधिकारी प्रज्ञा मिश्रा और अयोध्या विकास भवन में परियोजना निदेशक (पीडी) श्वेता वर्मा प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं। इन पदों पर महिलाओं की भागीदारी इस बात का उदाहरण है कि बेटियां अपनी योग्यता और

परिश्रम के बल पर जिम्मेदार पदों तक पहुंचकर समाज में अपनी अलग पहचान बना रही हैं। वहीं पुलिस विभाग में सुख्खा और जनसेवा की जिम्मेदारी भी महिलाओं की कंधों पर है। महिला सुरक्षा और कानून-व्यवस्था से जुड़े कार्यों में भी महिलाएं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अयोध्या की महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला, गोसांईगंज थाने की मिशन शक्ति प्रमारी एवं महिला उपनिरीक्षक चेतना पांडेय, महिला थाने में तैनात श्वेता राठौड़, महिला उप निरीक्षक सोनी और प्रिया अपने दायित्वों के माध्यम से पुलिस विभाग में योगदान दे रही हैं। महिला पुलिस कर्मियों की सक्रियता से महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा, जागरूकता तथा उनकी समस्याओं

के समाधान से जुड़े प्रयासों को मजबूती मिलती है। इसके साथ ही साथ तकनीकी क्षेत्र में भी महिलाओं की भूमिका दिखा रही है। नगर निगम अयोध्या के प्रकाश विभाग में तैनात इंजीनियर जान्हवी सिंह और लोक निर्माण विभाग में सहायक अभियंता प्रतिभा यादव भी अपनी जिम्मेदारियां निभा रही हैं। तकनीकी और निर्माण संबंधी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी यह दर्शाती है कि अब बेटियां किसी एक कार्यक्षेत्र तक सीमित नहीं हैं। वे अपनी क्षमता और मेहनत से वे विभिन्न विभागों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इन महिलाओं की उपलब्धियों का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि देखा जाये तो वे अपने कार्यक्षेत्र की जिम्मेदारियों के साथ परिवार को भी संभाल रही हैं। वहीं देखा जाय

कार्यालय का काम, विभागीय दायित्व और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन स्थापित करना आसान नहीं होता, लेकिन अपनी मेहनत और समर्पण से महिलाएं इस चुनौती का सामना कर रही हैं। उनकी यह भूमिका समाज में महिलाओं के प्रति बनी पारंपरिक धारणाओं को बदलने में भी सहायक है। नवरात्र में देवी शक्ति की आराधना के साथ समाज में अपनी मेहनत, कर्तव्यनिष्ठा और प्रतिभा से पहचान बनाने वाली महिलाओं का सम्मान भी जरूरी है। आज की बेटियां केवल परिवार की शान नहीं, बल्कि प्रशासन, सुरक्षा, विकास और राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला हैं। उन्हें समान अवसर, शिक्षा और प्रोत्साहन देकर ही महिला सशक्तीकरण के लक्ष्य को वास्तविक रूप दिया जा सकता है।



गोरखनाथ बाबा ने कही मन की बात, 2027 में चुनाव लड़ने का किया ऐलान भाजपा जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी की मौजूदगी से मिल्कीपुर की राजनीति में बढ़ी हलचल



मिल्कीपुर (अयोध्या) (DKU live) ब्यूरो चीफ सुरेंद्र कुमार) मिल्कीपुर के पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा ने रविवार को सिद्धिनाथ स्थित अपने आवास पर आयोजित 'मन की बात' कार्यक्रम में शायराना अंदाज में कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने वर्ष 2022 का विधानसभा चुनाव लड़ने की परिस्थितियों का जिक्र करते

हुए वर्ष 2027 में एक बार फिर चुनाव लड़ने का खुला ऐलान किया। गोरखनाथ बाबा ने कहा कि वर्ष 2022 में वह चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं थे, लेकिन पार्टी के निर्देश पर चुनाव मैदान में उतरे। वर्ष 2025 के उपचुनाव के बाद उन्होंने आत्मन्यून किया और क्षेत्र की जनता से लगातार संपर्क बनाए रखने का संकल्प लिया। उन्होंने बताया कि मिल्कीपुर की

195 ग्राम पंचायतों के लोगों से प्रतिदिन संवाद करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'वर्ष 2017 में जनता से जो वादे किए थे, उनमें से कुछ अधूरे हैं। अब उन्हें पूरा करने का मन बना लिया है। समाज पूरा जीवन समाज की सेवा में समर्पित किया है और 2027 का चुनाव जरूर लड़ेंगे।' भाजपा जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी की मौजूदगी में उन्होंने कहा कि उनके माध्यम से उनकी बात पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचेगी। उन्होंने पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा दोहराते हुए कहा कि उन्होंने कभी पार्टी के साथ गद्दारी नहीं की। अपने शायराना अंदाज में उन्होंने कहा, 'जिसकी मरती जिंदा है, उसकी हस्ती जिंदा है।' साथ ही मिल्कीपुर की पहचान का उल्लेख करते हुए कहा, 'पहले लोग कहते थे कि अयोध्या में मिल्कीपुर है, आज कहते हैं कि मिल्कीपुर में

अयोध्या है।' उन्होंने क्षेत्र की मिट्टी की ऊर्जा और यहां की जनता के स्नेह को अपनी ताकत बताया। अपने करीब एक घंटे के संबोधन में गोरखनाथ बाबा ने वर्ष 2022 के चुनाव और अवधेश प्रसाद से जुड़े चुनावी विवाद के संबंध में उच्च न्यायालय में दाखिल याचिका का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने बीच-बीच में नारे लगाकर उनका समर्थन किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी, सुशील मिश्र, रजनीश सिंह, महेश ओझा, शम्भू सिंह, पवन पाण्डेय, वंशीधर द्विवेदी, विवेक पाण्डेय, राजत चौधरी, महेंद्र चौधरी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी मौजूद रहे। गोरखनाथ बाबा के 2027 में चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद मिल्कीपुर की राजनीति में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

भारत विकास परिषद नोएडा द्वारा कराई जा रही श्रीमद् भागवत कथा का वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ ज्ञान यज्ञ हवन हुआ पूरा

आचार्य विष्णुकान्त शास्त्री महाराज के सान्निध्य में विश्व कल्याण एवं सुख-समृद्धि की कामना, मुख्य यजमान के रूप में डॉ. वीके गुप्ता और रीना गुप्ता ने दी आहुति

ब्यूरो चीफ / सत्य प्रकाश उपाध्याय
नोएडा। भारत विकास परिषद, नोएडा की ओर से सेक्टर-33 स्थित शिल्प हाट के निकट हेलीपैड ग्राउंड में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शनिवार, 10 अक्टूबर को हवन-यज्ञ एवं पूर्णाहुति के साथ भव्य समापन हुआ। विश्व विख्यात आचार्य श्री विष्णुकान्त शास्त्री महाराज ने सान्निध्य में विधि-विधानपूर्वक आयोजित यज्ञ में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित कर विश्व कल्याण, राष्ट्र की सुख-समृद्धि, परिवारों में सुख-शांति और समाज में सद्भाव की कामना की। इस दौरान पूरा कथा परिसर भक्तिमय वातावरण

से सराबोर रहा। समापन समारोह में डॉ. वीके गुप्ता एवं रीना गुप्ता मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित रहे। भारत विकास परिषद के अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता, सचिव अखिलेश भदौरिया, कोषाध्यक्ष अक्षय पारीक, विकास अग्रवाल, सुनीता मित्तल सहित परिषद के पदाधिकारियों, सदस्यों, मातृशक्ति, कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने यज्ञ में सहभागिता की। सभी ने विधि-विधान के साथ आहुतियां अर्पित करते हुए श्रीहरि के चरणों में श्रद्धा निवेदित की। वैदिक मंत्रों की गूंज और आध्यात्मिक वातावरण ने समापन समारोह को विशेष गरिमा प्रदान की। इस अवसर पर भारत विकास परिषद की ओर से आयोजन को सफल बनाने



में योगदान देने वाले संत-महात्माओं, अतिथियों, परिषद परिवार, मातृशक्ति, कार्यकर्ताओं, सहयोगियों और श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। परिषद ने कहा कि सभी के सामूहिक सहयोग, समर्पण और सहभागिता से

यह धार्मिक आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परिषद ने भविष्य में भी माध्यम से समाज में धर्म, सद्भाव के मूल मंत्र के साथ सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया। साथ

ही श्रीहरि से प्रार्थना की गई कि श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के माध्यम से समाज में धर्म, सद्भाव और संस्कारों की भावना सुदृढ़ हो तथा सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार हो।

संपादकीय

अब नई बेंच बनेगी

केंद्र ने विधेयक के जरिए सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटा, तो उसके बाद लगभग तीन साल गुजर चुके हैं। अब नई बेंच बनेगी, तो जैसा तजुर्बा है, उसका फैसला आने में अभी कई और वर्ष गुजरेंगे। मार्च 2023 में सर्वोच्च न्यायालय ने निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया तय की। पांच जजों की संविधान पीठ ने व्यवस्था दी कि ये नियुक्तियां तीन सदस्यीय समिति करेगी, जिसमें प्रधानमंत्री, भारत के प्रधान न्यायाधीश, एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल रहेंगे। नरेंद्र मोदी सरकार को यह निर्णय पसंद नहीं आया, तो उसने उसी वर्ष दिसंबर में संसद से विधेयक पारित करवा कर समिति की संरचना बदल दी। इसके तहत प्रावधान किया गया कि नियुक्ति समिति में प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त एक कैबिनेट मंत्री, और नेता विपक्ष रहेंगे। इस कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, तो न्यायालय ने वह याचिका दो जजों की बेंच को सौंप दी। उस पीठ का बंटा हुआ फैसला बुधवार को आया। एक जज—न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता ने याचिका में पेश दलील को जायज मानते हुए कहा कि उपरोक्त कानून ने नियुक्ति समिति में सत्ता पक्ष का बहुमत कायम कर दिया है, जिससे वहां नेता विपक्ष की मौजूदगी सजावटी बन भर रह गई है। वे इस तर्क से भी सहमत हुए कि मौजूदा स्वरूप में समिति श्वस्तंत्र्य मालूम नहीं पड़ती। लेकिन दूसरे जज जस्टिस एस. सी. शर्मा ने सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से पेश दलील से सहमति जताई कि इस मामले से महत्त्वपूर्ण कानूनी प्रश्न जुड़े हुए हैं, जिस पर सुप्रीम कोर्ट की अधिक बड़ी बेंच ही फैसला दे सकती है। तो अब मामला फिर से प्रधान न्यायाधीश के पास चला गया है। वे तय करेंगे कि क्या इस मुद्दे पर फिर से संविधान पीठ बने? केंद्र ने जब विधायी पहल के जरिए सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटा था, तो उसके बाद लगभग तीन साल गुजर चुके हैं। अब नई बेंच बनेगी, तो जैसा तजुर्बा है, उसका फैसला आने में अभी कई और वर्ष गुजरेंगे। इस बीच तमाम चुनाव सरकार के मन—माफिक बने निर्वाचन आयोग की देखरेख में होते रहेंगे। अतः सामान्य स्थितियों में फैसले का इंतजार असहनीय महसूस नहीं होता। लेकिन निर्वाचन आयोग जैसी शिकायतों से घिरता चल गया है, उसको लेकर जैसे संदेह सार्वजनिक दायरे में मौजूद हैं, उन्हें देखते हुए बहुत बड़े जनमत को संभावित देर अंधेर का कारण बनती मालूम पड़ेगी।

एक ही मुद्दे पर दो समानांतर मोर्चे

विनोद चुनाव चोरी के खिलाफ इंडिया गठबंधन का आंदोलन गुरुवार को और तेज हो गया। मंगलवार और बुधवार के बाद गुरुवार को भी इंडिया गठबंधन के तमाम सांसदों से एकत्र हुए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक बार फिर सभी सांसदों और कांग्रेस नेताओं को लंच पर बुलाया। इस बार कर्नाट प्लेस के मोएट्स में सारा इंडिया ब्लॉक एकत्र हुआ तो अमित शाह ने पुलिस और सुरक्षा बलों का भारी जमावड़ा वहीं रैस्तारों के बाहर लगावा दिया। निर्वाचित सांसदों का एक जगह जमा होना और साथ खाना खाना क्या किसी खररे का संकेत है, जिससे निपटने के लिए पुलिस बुला ली गई। अभी ठंड का मौसम आते ही कोई सांसद मक्के की रोटी और साग की दावत अपने घर पर रखेगा, कोई मकर सक्रांति पर दही—चूड़ा के लिए साथी सांसदों को न्यौता देगा, तो क्या इन सभी के बंगलों के बाहर पुलिस तैनात होगी। क्योंकि अब तक तो ऐसा कभी नहीं हुआ, लेकिन अब मोदी इलाक़ा का डर इतना बढ़ चुका है कि जहां इंडिया के सांसदों को देखा वहीं पुलिस तैनात करवा दी। यह डर स्वाभाविक भी है, क्योंकि चुनावों में धांधली करने के लिए एसआईआर का जो पूरा कुचक्र चलाया गया है, उसकी सच्चाई सामने आ रही है। विपक्ष के नेता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिलने का वक्त चाहते हैं, जो उन्हें नहीं मिल रहा और इस बात पर विरोध। करने की इजाजत भी नहीं मिल रही। गुरुवार को एक बार फिर तमाम विपक्षी नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में राजघाट की तरफ बढ़े और इन पंक्तियों के लिखे जाने तक एक बार फिर उन्हें रोकने की कोशिशें जारी हैं। राजघाट पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 लगा दी गई है, यानी भीड़ जमा होने से रोकने का ऐलान हो गया है।निर्वाचित सांसदों को जब भीड़ कहा जाने लगे तो यह समझना कठिन नहीं है कि लोकतंत्र की क्या गत बनाई जा रही है। वैसे जिस तरह से मोदी सरकार ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उठी आवाज को दबाने के लिए दमनकारी तरीके अपनाए हैं, उस पर गुरुवार को कांग्रेस ने देश भर में विरोध प्रदर्शन और तेज कर दिया। के सी वेणुगोपाल ने सात तारीख को ही राज्य, जिला और ब्लॉकमंडल की कांग्रेस इकाइयों को पत्र लिखकर कहा था कि जो सलूक मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी समेत तमाम सांसदों के साथ किया गया, उसके विरोध के लिए आठ अक्टूबर को काला दिवस मनाया जाए। कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्तर पर तो लगातार हलचल देखने मिलती है, लेकिन जिला और मंडल स्तर की इकाइयों में स्थानीय नेताओं की सक्रियता से पार्टी मजबूत दिखती है। बीते 12 सालों में देश के कई हिस्सों में कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ता इसी वजह से हतोत्साहित थे कि उन्हें दिशा देने वाले नेता संगठन पर ध्यान नहीं देते थे। कई जगहों पर कांग्रेस इसी वजह से मजबूत नहीं हो पाई क्योंकि आपसी गुटबाजी रही। बीच में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस कमजोरी को दूर करने के लिए लगातार राज्य इकाइयों के साथ बैठकों की, संगठन को नए सिरे से मजबूत बनाने के लिए 2025 में काफी फैसले भी लिए गए। लेकिन उनका उतना असर नहीं हुआ, जितना अब हो रहा है। क्योंकि कार्यकर्ता भी देख रहे हैं कि राहुल गांधी के साथ—साथ समूचा विपक्ष सड़क पर उतर आया है। यह संघर्ष चुनावों में हार की निराशा को दूर करने में असरकारी साबित हो रहा है।हालांकि इस संघर्ष का नतीजा क्या निकलेगा, यह अनुमान लगाना थोड़ा मुश्किल है। क्योंकि एक ही मुद्दे यानी एसआईआर में गड़बड़ी और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे पर दो समानांतर आंदोलन चल रहे हैं। इंडिया गठबंधन के अलावा कॉकरोच जनता पार्टी ने भी 10 अक्टूबर को जंतर—मंतर पर आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। इससे पहले आठ अक्टूबर को बंगलुरु में उसने प्रदर्शन किया। जिसमें अभिनेता और सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश राव और उनके साथ जर्मनी से आए यूट्यूबर ध्रुव राठी भी शामिल हुए। अब ये सभी लोग 10 अक्टूबर को भी जंतर—मंतर पर रहेंगे।वामपंथी छात्र संगठन नेहा बोरा ने भी 10 अक्टूबर के आंदोलन के लिए सभी से जुटने का आह्वान किया है। अभी 2 अक्टूबर को ही योगेन्द्र यादव, प्रशांत भूषण, कपिल सिबल, मनोज झा आदि के साथ भी नेहा बोरा ने वोट चोरी के खिलाफ प्रदर्शन किया था। जुलाई में पेपर लीक के खिलाफ भी ऐसे ही दो अलग—अलग मोर्चे खोले गए थे। राहुल गांधी तो छात्रों की गूंज कर ही रहे हैं, उधर सीजेपी ने भी आंदोलन किया था। हालांकि धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा हो गया तो दोनों को ही सफलता मिली। लेकिन इस आंदोलन में भी नेहा बोरा मंच के नीचे अनशनरत थीं और उन्हें राहुल गांधी ने ख़ास तौर पर बुलाकर मुलाकात की थी, न्याय के लिए संघर्ष में साथ देने का वादा किया था। मगर अब नेहा बोरा ने वोट चोरी के खिलाफ 10 तारीख को तो एकजुट होने की बात कही, लेकिन इंडिया गठबंधन ने जो मोर्चा खोला है, जिस तरह रोज प्रदर्शन हो रहे हैं, उसमें उन्होंने साथ आने क्यों नहीं कहा, यह विचारणीय है। छह तारीख को नेहा ने एक पोस्ट भी लिखी कि कुछ जन—प्रतिनिधि अपना काम कर रहे हैं।

विचार

एलन मस्क के बयान से उठते गंभीर सवाल- भारत की संप्रभुता और सुरक्षा सर्वोपरि



संतोष अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और दुनिया के मशहूर उद्योगपति एलन मस्क के एक बयान (सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किया गया पोस्ट) ने भारत में कई तरह के गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसका जवाब तलाशना और पूरी गंभीरता से देना बहुत जरूरी हो गया है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि उदासीकरण और भूमंडलीकरण के इस दौर में प्राइवेट कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्ा होनी ही चाहिए ताकि लोगों को फायदा भी हो और उनके पास

चुनने का विकल्प भी हो। इसी तर्क का हवाला देकर भारत के अंदर भी कई लोग एलन मस्क की

पीड़ा को सही बताते हुए सरकार को नसीहतें दे रहे हैं। लेकिन भारत की संप्रभुता और वैश्विक कंपनियों को भारत में कारोबार करने की इजाजत देने के बीच में एक बहुत ही हल्की सी रेखा आती है, जिसे पार करते ही कई तरह की समस्याएं खड़ी हो सकती है। भारत के अंदर, हर भारतीय को यह स्वतंत्रता है कि वो अपनी सरकार से सवाल पूछ सके, अपनी सरकार पर सवाल उठा सके लेकिन प्रशासन ने रूसी डीजल की आपूर्ति को सुगम बनाने के लिए अस्थायी सामान्य अनुमति भी जारी की है, जिसके अंतर्गत निर्यात शर्तों को पूरा करने वाले कुछ माल पर अप्रैल 2027 तक प्रतिबंधों में छूट का प्रावधान किया गया है। गौरतलब है कि यह वही प्रशासन है जिसने रूस की युद्ध अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिबंधों को सख्त करने की नीति अपनाई थी। लेकिन जब अमेरिका ने ईंधन की कीमतें बढ़ीं और किसानों, ट्रक चालकों तथा कारोबारियों पर दबाव बढ़ा, तो रूस से ऊर्जा खरीद अचानक स्वीकार्य हो गई। दरअसल अमेरिका में नवंबर की शुरुआत में म्च यावधि चुनाव होने हैं और ट्रंप की नीतियों के चलते वहां महंगाई भी अप्रत्याशित रूप से बढ़ गयी है जिसके चलते जनता नाराज है। रिपोर््टों के मुताबिक, सितंबर में अमेरिकी डीजल की कीमत 6.52 डॉलर प्रति गैलन के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गयी थी और शुक्रवार को लगभग 6.28 डॉलर प्रति गैलन रही। तीन नवंबर को होने वाले देखा जाये तो रूसी ऊर्जा खरीद को लेकर भारत पर दबाव बनाने वाले ट्रंप का ताजा फैसला उनकी कथनी और करनी के बीच की खाई को उजागर करता है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने रूस से तत्काल तीन लाख टन से अधिक डीजल की आपूर्ति के साथ नवंबर में पांच लाख टन, उसके बाद दस लाख टन और फिर कुछ ही समय में तीस लाख टन अतिरिक्त डीजल की आपूर्ति की घोषणा की है।

बिखरी हुई व्यवस्था की कीमत अब छिपी नहीं है

विमल जानकारी के एक जगह से दूसरी जगह सही तरीके से न पहुंचने के कारण अस्पतालों को लंबे समय के डॉक्टरों के समय की बर्बादी और अटके हुए बीमा दावों के रूप में नुकसान उठाना पड़ रहा है। अब जरूरत ऐसी डिजिटल व्यवस्थाएं बनाने की हैं, जो एक—दूसरे के साथ आसानी से जानकारी साझा कर सकें। भारत के कई हिस्सों में आज भी एक डॉक्टर से दूसरे डॉक्टर तक मरीज की जानकारी पहुंचाने का मुख्य जरिया खुद मरीज ही है। वह हर बार अपनी पुरानी मेडिकल रिपोर्ट लेकर जाती है— कागजों की फाइल, मोबाइल में जांच की तस्वीरें या फिर सिर्फ अपनी याददाश्त के भरोसे। इलाज के हर चरण में नई जानकारी तैयार होती है, लेकिन अक्सर वह अगले डॉक्टर या अस्पताल तक नहीं पहुंच पाती। अस्पतालों के लिए इस कमी को दूर करना लंबे समय तक प्राथमिकता नहीं रहा। जब स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल बनाने की बात हुई, तो मुख्य सवाल यही रहा कि इसमें कितना खर्च आएगा और अस्पतालों को अपनी व्यवस्था में कितना बदलाव करना पड़ेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में कोई नई डिजिटल व्यवस्था एक सप्ताहांत में लागू नहीं की जा सकती। अस्पतालों में वर्षों पुराने सॉफ्टवेयर,

लेकिन क्या हम यही स्वतंत्रता किसी विदेशी कारोबारी को दे सकते हैं? कतई नहीं, भारत का असली बॉस कौन है, यह तय करने और बताने का अधिकार सिर्फ और सिर्फ भारतीयों के पास ही रहना चाहिए। एलन मस्क ने 8 अक्टूबर को अपने ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ष स्टारलिनक को 165 से ज़्यादा देशों में लाइसेंस मिला हुआ है और कंपनी भारत सरकार के हर नियम और जरूरत को पूरा करने में पांच साल से काम कर रही है, फिर भी लाइसेंस क्यों नहीं मिला? क्या अंबानी ही भारत के असली बॉस हैं?८ जिस अंदाज में और जितनी तेजी से राहुल गांधी ने इस पर कमेंट किया, उसे लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। मस्क के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए राहुल ने लिखा, भारत में आपका स्वागत है, एलन। दूसरे शख्स के मिलने तक इंतजार कीजिए।९ राहुल गांधी के जवाब से गदगद मस्क ने तुरंत जवाब देते हुए लिखा, धन्यवाद राहुल, यह

वाकई परेशान करने वाला है। यहां यह याद रखना भी बहुत जरूरी है कि मस्क पहले भी आरोप लगा चुके हैं कि भारत में इस सेक्टर से जुड़े बड़े कारोबारी स्टारलिनक की एंट्री भारत के बाजार में रोककर अपना दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। लेकिन इस बार लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के जवाब देने के कारण, मामला बहुत गंभीर हो गया है। पिछले कई दिनों से राहुल, देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं और यह बात स्पष्ट तौर पर नजर आ रही है केंद्र में सत्तारूढ़ सरकार और विपक्षी दल खासकर राहुल के साथ संवादहीनता की स्थिति आ गई है, जिसे कतई सही नहीं माना जा सकता है। इतने गंभीर मसले पर राहुल की इतनी तेजी से की गई टिप्पणी को कतई जायज नहीं ठहराया जा सकता है। यहां साफ—साफ नजर आ रहा है कि राहुल ने एक बड़ी गलती कर दी

रूस से डीजल खरीदेंगे ट्रंप, जैलैस्की हुए आग बबूला

रूसी तेल खरीदे, तो उसे टैरिफ का सामना करना पड़ता है। इसलिए सवाल उठता है कि यह कैसी निष्पक्षता है? यह कैसी नियम—आधारित व्यवस्था है, जिसमें नियम दूसरों के लिए हैं और छूट अपने लिए? दूसरी ओर, ट्रंप के इस फैसले ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की नाराजगी भी बढ़ा दी है। उन्होंने इसे अनुचित और अन्यायपूर्ण भी। लेकिन जब अमेरिका को जम्मदिन का उपहार मिलने जैसा संदेश जाता है। जेलेंस्की की आपति इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि यह घोषणा ऐसे समय हुई, जब ट्रंप के प्रतिनिधि यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों के साथ युद्ध समाप्त करने के प्रस्तावों पर बातचीत कर रहे थे। जेलेंस्की ने यह भी संकेत दिया कि यदि ऊर्जा प्रतिबंधों में ढील दोनों देशों की ओर से सर्दियों में ऊर्जा ढांचे पर हमले रोकने जैसे पारस्परिक समझौते का हिस्सा होती, तो उसका समर्थन किया जा सकता था। लेकिन बिना ऐसी शर्तों के रियायत देना रूस की युद्ध क्षमता को आर्थिक सहारा देने जैसा दिखाई देता है। वहीं अमेरिकी रिपब्लिकन नेता डॉन बेकन ने भी इस फैसले की आलोचना की। उनका तर्क था कि अमेरिकी किसानों और उपभोक्ताओं के लिए डीजल सस्ता करना जरूरी है, लेकिन इसके लिए रूस से ईंधन खरीदना गलत रास्ता है। उन्होंने पूछा कि जब अमेरिकी संसद ने रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए कानून पारित किया और ट्रंप ने स्वयं उस पर हस्ताक्षर किए, तो अब

उसी दबाव को कमजोर करने का औचित्य क्या है? इसके अलावा, ट्रंप की राजनीति का दूसरा चिंताजनक पहलू अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रति उनका रवैया है। अंतरराष्ट्रीय अपराध ा न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश नवी पिल्लै को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप प्रशासन ने न्यायालय के विरुद्ध प्रतिबंधों की घोषणा कर दी। नवी पिल्लै को सम्मान ऐसे समय मिला, जब अंतरराष्ट्रीय न्यायिक संस्थाओं पर राजनीतिक दबाव बढ़ने को लेकर चिंताएं व्यक्त की जा रही थीं। नोबेल समिति ने युद्ध अपराधियों को जवाबदेह ठहराने और पीड़ितों को न्याय दिलाने वाली अंतरराष्ट्रीय न्याय कानूनी व्यवस्था को शांतिपूर्ण विश्व की अनिवार्य शर्त बताया। नवी पिल्लै को नोबेल शांति पुरस्कार मिलते ही ट्रंप जैसे बौखला गये और कुछ घंटों बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ट्रंप अमेरिकी नागरिकों पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय का अभियोजन स्वीकार नहीं करेंगे। अमेरिकी प्रशासन ने न्यायालय के साथ लेन—देन पर रोक लगाने और उसके संसाधनों को बाधित करने की मंशा जाहिर की। वहीं अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने इसे कानून के शासन और अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था की बुनियाद पर हमला बताया। देखा जाये तो यहां भी वही पुराना सवाल सामने आता है कि क्या अंतरराष्ट्रीय कानून केवल कमजोर देशों और विरोधियों पर लागू होना चाहिए? क्या अमेरिका को अपने नागरिकों और अदि



।कारियों को किसी भी अंतरराष्ट्रीय जवाबदेही से ऊपर रखने का अधि कार मिल जाना चाहिए? ऐसा लगता है कि वाशिंगटन अंतरराष्ट्रीय जवाबदेही की सीमाएं अपने हिसाब से तय करना चाहता है। ट्रंप की राजनीति में सबसे बड़ा विरोधाभास यही है कि वे राष्ट्रीय हित का इस्तेमाल कभी प्रतिबंधों को उचित ठहराने के लिए करते हैं, तो कभी उसी प्रतिबंधों को कमजोर करने के लिए। भारत के लिए रूसी तेल आर्थिक और ऊर्जा संबंधी जरूरतों का प्रश्न है, लेकिन अमेरिका के लिए वही रूसी ऊर्जा घरेलू महंगाई, अंतरराष्ट्रीय न्याय की बात तब तक स्वीकार्य दिखाई देती है, जब तक वह अमेरिकी सत्ता और उसके सहयोगियों के हितों से न टकराए। जैसे ही जवाबदेही का सवाल उठता है, स्वतंत्र न्यायिक संस्था को ही निशाना बनाया जाने लगता है। यह

केवल नीतिगत असंगति नहीं, बल्कि उन नैतिक दावे की कमजोरी है जिसके आधार पर अमेरिका दुनिया को नियमों, लोकतंत्र और न्याय का उपदेश देता रहा है। ट्रंप ने अपने फैसलों से यह धारणा मजबूत की है कि उनके लिए सिद्धांत स्थायी नहीं, बल्कि परिस्थितियों और राजनीतिक लाभ के अनुसार बदलने वाली चीज हैं। बहरहाल, ट्रंप चाहे अपने कसमों को अमेरिकी हितों की रक्षा बताएं, लेकिन जब वही कदम दूसरों पर थोपे गए नैतिक मानदंडों को ध्वस्त करते हैं, तो उनकी राजनीति का खोखलापन उजागर होता है। अमेरिका को रूसी डीजल और भारत पर सी फीसदी टैरिफ, इससे बड़ा दोहरा मापदंड क्या होगा? साथ ही अंतरराष्ट्रीय न्यायालय पर प्रतिबंध लगाकर यदि कोई देश खुद को कानून से ऊपर समझाने लगे, तो दुनिया उसे न्याय का संस्कार नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ का प्रहरी ही मानेगी।

जगह आसानी से नहीं पहुंच सकती, तो यह पूरी व्यवस्था की कमी है। एनएचसीएक्स और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन स्वास्थ्य क्षेत्र के अलग—अलग हिस्सों पर काम करते हैं, लेकिन दोनों के पीछे मूल सोच एक ही है—जानकारी सुरक्षित तरीके से, एक समान व्यवस्था के तहत आवश्यक जरूरी सुरक्षा उपायों के साथ एक जगह से दूसरी जगह पहुंच सके। लेकिन स्वास्थ्य क्षेत्र में डिजिटल व्यवस्था सिर्फ ऊपर से लागू नहीं की जा सकती। इसे डॉक्टरों, अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवाएं देने वालों के साथ मिलकर तैयार करना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी चेतावनी दी है कि अगर डिजिटल व्यवस्था अलग—अलग और केवल ऊपर से तय करके लागू की जाती है, तो इससे स्वास्थ्य व्यवस्था में बिखराव और स्वास्थ्य कर्मचारियों पर प्रशासनिक बोझ बढ़ सकता है। इसलिए अलग—अलग प्रणालियों को आपस में जोड़ना ही मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। भारत में यह बात खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि यात नाजिरी स्वास्थ्य क्षेत्र बहुत विविध है। महानगर का एक बड़ा कॉर्पोरेट अस्पताल और दूसरे या तीसरे स्तर के शहर का अस्पताल और बीमा कंपनी के बीच संसाधन या डिजिटल व्यवस्था लागू करने की क्षमता नहीं रखते। छोटे

अस्पताल में अलग से तकनीकी टीम की नहीं हो सकती। अगर डिजिटल व्यवस्था सही तरीके से नहीं बनाई गई, तो उसे लागू करने का अतिरिक्त बोझ भी अस्पताल पर पड़ सकता है। इसलिए डिजिटल व्यवस्था को अपनाने की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि अस्पतालों को कितना व्यावहारिक सहयोग मिलता है और नई व्यवस्था मरीजों के इलाज के मौजूदा तरीके के साथ कितनी आसानी से जुड़ पाती है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के दृढ़ और एनएचसीएक्स के समर्थक के रूप में एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया (एएचपीआई) राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसका उद्देश्य अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा देने वालों को इन डिजिटल व्यवस्थाओं का व्यावहारिक लाभ समझाना, अलग—अलग तरह के अस्पतालों में इनके इस्तेमाल को बढ़ावा देना और अस्पतालों के अनुभवों को उन लोगों तक पहुंचाना है, जो इन डिजिटल व्यवस्थाओं को तैयार कर रहे हैं। निजी स्वास्थ्य क्षेत्र सिर्फ भारत की डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था का इस्तेमाल करने वाला नहीं रह सकता। अस्पताल इस व्यवस्था के सबसे महत्वपूर्ण उपयोगकर्ताओं में हैं, इसलिए उन्हें इसे बनाने में भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

’फ्रांसीसी गणराज्य के सर्वोच्च नागरिक सम्मान लेज्यॉ द’ऑनर के नाइट की उपाधि से सम्मानित होंगे सुनील भारती मित्तल’ लेज्यॉ द ऑनर फ्रांस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है



‘लखनऊ। भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल को फ्रांसीसी गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम इमैनुएल मैक्रों ने राष्ट्रीय सम्मान ‘लेज्यॉ द ऑनर के नाइट की उपाधि से सम्मानित करने की घोषणा की है। नेपोलियन बोनापार्ट ने वर्ष 1802 में लेज्यॉ द ऑनर की स्थापना की थी। यह फ्रांसीसी गणराज्य द्वारा दिए जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। सुनील भारती मित्तल को भारत और फ्रांस के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के उनके दीर्घकालिक प्रयासों तथा दूरसंचार और डिजिटल अवसरचना के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए यह सम्मान दिया गया है। इस

दुर्गा पूजा पंडाल में करंट लगने से किशोर की मौत, परिवार का इकलौता बेटा था नीरज



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के कोराकत कोतवाली क्षेत्र के खटहरा गांव में रविवार रात दुर्गा पूजा पंडाल में करंट लगने से एक किशोर की मौत हो गई। हादसा

पूर्व प्रधान के छोटे भाई की सरकुच कर हत्या, नारीपुर गांव में मिला शव

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के सुजानगंज थाना क्षेत्र के नारीपुर गांव में सोमवार सुबह ओमप्रकाश मिश्र (59) का शव मिलने से सनसनी फैल गई। वह गांव के पूर्व प्रधान राजेंद्र मिश्र उर्फ रज्जन के छोटे भाई थे। परिजनों के अनुसार, रविवार रात उनकी हत्या कर दी गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। ग्रामीणों के मुताबिक, गांव से करीब एक किलोमीटर दूर ओमप्रकाश मिश्र का शव मिलने के बाद मौके पर, लोगों की भीड़ जुट गई। शव पर सिर और चेहरे पर चोट के निशान



बताए जा रहे हैं। आशंका जताई जा रही है कि किसी भारी वस्तु से हमला कर उनकी हत्या की गई। हालांकि, हत्या के कारणों और घटनाक्रम की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो

डायट में कला संस्कृति महोत्सव का आयोजन, शिक्षकों ने दिखाई प्रतिभा



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के परिसर में सोमवार को कला संस्कृ ति महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इसमें बेसिक एवं माध्यमिक

विद्यालयों के शिक्षकों तथा डायट के प्रशिक्षुओं ने अपनी कलात्मक और सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्य तथा उप शिक्षा निदेशक एवं डायट प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने

था। उस समय कॉम्पान्यी जेनेराल दे जो ने भारत में मोबाइल दूरसंचार सेवाएं शुरू करने के लिए भारती के साथ साझेदारी की थी। यह जुड़ाव आज भी यूरोप की अग्रणी उपग्रह कंपनी यूटेलसैट के सह–अध्यक्ष के रूप में मेरी भूमिका के माध्यम से जारी है। मैं फ्रांसीसी गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम इमैनुएल मैक्रों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस सम्मान को स्वीकार करता हूँ और भारत तथा फ्रांस के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराता हूँ। सुनील भारती मित्तल को श्लेज्यॉ द’शऑनरश का अलंकरण 28 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली स्थित फ्रांस के दूतावास में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किया जाएगा। वर्ष 2007 में सुनील भारती मित्तल को भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। वर्ष 2024 में वह ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय द्वारा ‘मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर’ के नाइट कमांडर की उपाधि से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय नागरिक बने थे।

रविवार रात करीब 8:30 से 9 बजे के बीच दुर्गा पूजा पंडाल में आरती हो रही थी। इसी दौरान टेंट की पाइप में उत्तरे करंट की चपेट में आने से नीरज की मौत हो गई। नीरज अपने माता–पिता का इकलौता बेटा था। परिवार में एक बेटी भी है। बेटे की असामयिक मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। हादसे की सूचना मिलते ही तीन थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। इस्पेक्टर अमरेंद्र पांडे ने बताया कि परिजनों की सहमति से किशोर का अंतिम संस्कार कर दिया गया। परिजनों ने पोस्टमार्टम नहीं कराया। गौरतलब है कि प्रशासन की ओर से दुर्गा पूजा पंडालों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और बिजली संबंधी लापरवाही से बचने की हिदायत दी गई थी। इसके बावजूद हुई इस घटना ने पंडालों में विद्युत सुरक्षा के इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सकेगी। घटना से आक्रोशित परिजन और ग्रामीण मौके पर उच्च अधि कारियों को बुलाने की मांग करते हुए शव उठाने का विरोध करने लगे। स्थिति को देखते हुए सुजानगंज, महाराजगंज और बदलापुर थाने की पुलिस मौके पर तैनात की गई। पुलिसकर्मी परिजनों और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास करते रहे। सुजानगंज थानाध्यक्ष अमित पाण्डेय ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। हत्या के कारणों का पता लगाने के साथ ही साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फीता काटकर किया। इसके बाद मां सरस्वती का पूजन किया गया। संस्थान के प्रशिक्षुओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों एवं अंगवस्त्रम भेंटकर स्वागत किया गया। इसके बाद प्रशिक्षुओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन धर्मेन्द्र शर्मा ने किया। इस दौरान उप शिक्षा निदेशक एवं प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि संस्थान में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए निरंतर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कला एवं संस्कृति महोत्सव भी इसी पहल का हिस्सा है। इसका उद्देश्य शिक्षा के साथ

राजधानी/जौनपुर

कांग्रेस कार्यालय के सामने भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन, सांसद बिमोल अकोइजम की बरखास्तगी की मांग



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने सोमवार को सिहीपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय के सामने धरना–प्रदर्शन कर कांग्रेस सांसद एवं जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के प्रोफेसर रहे अंगोमचा बिमोल अकोइजम के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। महिला मोर्चा ने छात्राओं की ओर से लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों का हवाला देते हुए कांग्रेस

पीयू की सांस्कृतिक संध्या में सुर, ताल और नृत्य ने बांधा समां, विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को मंच देने का संकल्प - कुलपति



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में रविवार शाम आयोजित सांस्कृ तिक संध्या में विद्यार्थियों ने गायन, वादन और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। नवरात्र के प्रथम दिन आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत देवी गीत से हुई, जिससे

मेडिकल कालेज जौनपुर में एम0बी0बी0एस0 बैच 2026 के छात्रों का ``व्हाइट कोट सेरेमनी`` का भव्य आयोजन

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के ‘प्रधानाचार्य प्रो0 आर0बी0 कनल के दिशा निर्देश में प्रो0 साधना अजय,



द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थियों की “व्हाइट कोट सेरेमनी” का सफल आयोजन उत्साह और गरिमामय वातावरण में शैक्षणिक भवन के लेक्चर थिएटर में किया गया। समारोह का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को चिकित्सा पेशे की मर्यादा, अनुशासन एवं सेवा भावना से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि “व्हाइट कोट पहनना केवल सम्मान नहीं बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। चिकित्सा शिक्षा का यह दिवस विद्यार्थियों के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव होता है, जो उन्हें समाज सेवा के मार्ग पर अग्रसर करता है। “सफेद कोट केवल एक परिधान नहीं, बल्कि

जौनपुर, सोमवार, 12 अक्टूबर 2026 3

लोहिया के विचार सामाजिक न्याय और समानता के लिए आज भी प्रासंगिक - राकेश मोर्य

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर सोमवार को जौनपुर स्थित पार्टी जिला कार्यालय में डॉ. राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा एवं विचार गोष्ठी आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष राकेश मोर्य की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में पार्टीजनों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके विचारों को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राकेश मोर्य ने कहा कि डॉ. राममनोहर लोहिया ने समाजवादी विचारधारा को विश्व पटल पर स्थापित करने तथा

समतामूलक समाज की स्थापना के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनके विचार सामाजिक न्याय, समानता, आर्थिक विषमता के उन्मूलन और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. लोहिया का मानना था कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सम्मान, अधिकार और समान अवसर मिले बिना वास्तविक सामाजिक परिवर्तन संभव नहीं है। पिछड़ों, दलितों, महिलाओं, किसानों, मजदूरों और शोषित–वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए उनके संघर्ष से प्रेरणा लेकर समाजवादी सिद्धांतों को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। गोष्ठी को प्रदेश सचिव सुशील दुबे, श्याम बहादुर पाल, प्रभाजंद यादव, शकील अहमद, लाल मोहम्मद राईनी, वीरेंद्र यादव, निजामुद्दीन अंसारी, कमालुद्दीन अंसारी, जगदीश प्रसाद मोर्य और अजय रंजन यादव सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया। इस दौरान पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीबीएयू में चार विषयों में पीएचडी प्रवेश के लिए पंजीकरण फिर शुरू

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में शैक्षणिक सत्र 2026 के लिए अंग्रेजी, वाणिज्य, समाजशास्त्र और मानवाधिकार विषयों में पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश की पंजीकरण प्रक्रिया फिर शुरू कर दी गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार, इच्छुक और पात्र अभ्यर्थी 14 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय के संघर्ष पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आवेदन करने से पहले पीएचडी प्रवेश–2026 की सूचना पुस्तिका और प्रवेश विवरणिका को ध्यानपूर्वक पढ़ने की सलाह दी है। प्रवेश से संबंधित विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट ोजवेक्यूईईईईनंब.पद पर उपलब्ध है।पंजीकरण शुल्क सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए एक हजार रुपये निर्धारित किया गया है। वहीं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और दिव्यांग श्रेणी के अभ्यर्थियों को 750 रुपये शुल्क देना होगा। शुल्क का भुगतान ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के दौरान उपलब्ध विकल्पों के माध्यम से करना अनिवार्य है।विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, प्रत्येक पीएचडी कार्यक्रम के लिए अलग–अलग पंजीकरण शुल्क जमा करना होगा। शुल्क का सफल भुगतान होने के बाद ही पंजीकरण प्रक्रिया पूरी मानी जाएगी। जमा किया गया पंजीकरण शुल्क किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं किया जाएगा और न ही उसे किसी अन्य शुल्क में समायोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने इच्छुक अभ्यर्थियों से निर्धारित सबय–सीमा के भीतर आवेदन पूरा करने और प्रवेश संबंधी दिशा–निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

कृष्णानगर में मारपीट में चार पुलिस टीमें गठित, आरोपी की तलाश में वाप पुलिस टीमें गठित

लखनऊ, (संवाददाता)। कृष्णानगर क्षेत्र में मारपीट में घायल हुए हरदोई निवासी पेंटर सुखपाल (28) की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, घटना के समय सुखपाल अपने मित्र राजेश रावत उर्फ काली के साथ पार्टी कर रहे थे। इसी दौरान दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद मारपीट में सुखपाल घायल हो गए। मामले में फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने चार टीमें गठित की हैं। पुलिस को 9 अक्टूबर 2026 को दूरभाष के माध्यम से सूचना मिली कि सुखपाल पुत्र रामखिलावन, निवासी ग्राम बौटहा, थाना टड़ियावां, जनपद हरदोई, कम्पे के बाहर घायल अवस्था में पड़े हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें एंबुलेंस से लोकबंधु अस्पताल भेजा गया। वहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी, अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी और सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। साक्ष्य जुटाने के लिए फील्ड यूनिट को मौके पर बुलाया गया और घटनास्थल को सुरक्षित किया गया। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। शव को पंचायतनामा और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के लिए लोकबंधु अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

कृष्णानगर में होमगार्ड पर पत्नी और बेटी की हत्या का आरोप

लखनऊ, (संवाददाता)। कृष्णानगर थाना क्षेत्र के भोलाखेड़ा में पत्नी और बेटी की हत्या के आरोप में पुलिस ने होमगार्ड रवीन्द्र शंकर (56) को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि दोनों की हत्या रात में सोते समय डाटा केबल से गला कसकर की गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस प्रथमदृष्टया पारिवारिक विवाद को घटना की रसावित वजह मानकर जांच कर रही है।पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार सुबह करीब छह बजे डायल–112 के माध्यम से सूचना मिली कि भोलाखेड़ा स्थित मकान संख्या 555खछ63 में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और बेटी की हत्या कर दी है। सूचना पर कृष्णानगर थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में मृतकों की पहचान श्यामा दुलारी (50) और उनकी बेटी पूजा साहू (32) के रूप में हुई। आरोपी रवीन्द्र शंकर लखनऊ में होमगार्ड के पद पर तैनात है।घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी, अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी और सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम को बुलाकर वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई की गई। दोनों शवों का पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

’नारी सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण का नया संकल्प जनपद हरदोई में मिशन शक्ति फेज-6.0 के तहत भव्य रैली का किया गया आयोजन’



‘रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’
‘हरदोई’ जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलम्बन एवं सशक्तीकरण को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से संचालित मिशन शक्ति अभियान फेज–6.0 का पुलिस लाइन हरदोई में भव्य शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर मा0 उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी, मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती द्वारा महिला पुलिसकर्मीयों एवं छात्राओं की जागरूकता पैदल रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकाारी उपस्थित रहे। मिशन शक्ति फेज–6.0 के शुभारम्भ के अवसर पर आयोजित जागरूकता रैली के माध्यम से समाज में महिला सुरक्षा, लैंगिक समानता, नारी सम्मान एवं महिला सशक्तीकरण का संदेश प्रसारित किया गया। रैली में महिला पुलिसकर्मीयों एवं छात्राओं की सहभागिता महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रही। मिशन शक्ति फेज–6.0 के अन्तर्गत जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर महिला सुरक्षा एवं

तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न महिला कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक हरदोई अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना प्रभारियों एवं मिशन शक्ति टीमों को महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने, उनकी शिकायतों को संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर सुनने तथा प्राप्त शिकायतों पर त्वरित एवं प्रभावी विधिक कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक स्थलों, शिक्षण संस्थानों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में महिला सुरक्षा के दृष्टिगत सतर्कता बरतने तथा जागरूकता गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। मिशन शक्ति फेज–6.0 का उद्देश्य केवल महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा प्रदान करना ही नहीं, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता एवं अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता विकसित करना भी है। अभियान के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग को नारी सम्मान एवं महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए ऐसा वातावरण विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें महिलाएं एवं बालिकाएं स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित एवं सशक्त महसूस कर सकें।

हरदोई पुलिस की आमजन से अपील है कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा तथा सम्मान सुनिश्चित करने में सक्रिय सहभागिता निमाएं। किसी भी प्रकार की महिला उत्पीड़न सम्बन्धी घटना की जानकारी तत्काल पुलिस को दें तथा मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्यों को जन–जन तक पहुंचाने में सहयोग करें।



(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)
अयोध्या [शारदीय नवरात्रि व दशहरा पर्व पर सिटी मजिस्ट्रेट संजीव कुमार उपाध्याय ने सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी के साथ कोतवाली नगर क्षेत्र

के देवकाली,वजीरगंज सहित विभिन्न मूर्ति निर्माण स्थलों व अनुसार पंडालों का निरीक्षण किया।इस दौरान इन दोनो अधिकारियों ने मूर्तियों को निर्माण स्थलों से पूजा पंडालों तक सुरक्षित

मिशन शक्ति प्रभारी चेतना पाण्डेय ने महिलाओं व छात्राओं को किया जागरूक



अयोध्या [सोमवार को दुर्गा पूजा और दशहरा पर्व के को लेकर गोसाईगंज पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बेटियों को सुरक्षा के प्रति जागरूक

किया।इस मौके पर मिशन शक्ति प्रभारी थाना गोसाईगंज उप निरीक्षक चेतना पांडेय ने अपनी टीम के साथ रामलीला स्थलों, दुर्गा पूजा पंडालों, स्कूल कालेज और सार्वजनिक स्थानों

मां की ज्वेलरी के लिए बेटों में खूनी संघर्ष, एक की गई जान, ब्रह्मभोज के बाद हुआ विवाद

गोरखपुर, (संवाददाता)। रामपुर कारखाना थानाक्षेत्र के बरवा मीरछापुर गांव में शुक्रवार की देर रात भाइयों में आपसी बंटवारे को लेकर विवाद हो गया। इसमें एक भाई की मारपीट में मौत हो गई। सभी भाई मां के ब्रह्मभोज में घर जुटे हुए थे। रात को बरखी थी। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर स्थानीय पुलिस के अलावा एडिशनल एसपी आनंद कुमार पांडेय, सीओ संजय कुमार रेड्डी के अलावा तरकुलवा, महुआडीह पुलिस भी मौके पर पहुंची। तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर पुछताछ कर रही है। शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में भिजवा दिया।



जानकारी के अनुसार, थानाक्षेत्र के बरवा मीरछापुर गांव के घरभरन कुशवाहा की करीब 12 साल पहले मौत हो गई। रामभरन के रामजी कुशवाहा, जयराम, जगदम्बा, केशवर और विद्यासागर सहित कुल पांच बेटे हैं। करीब पांच साल पहले सभी भाई अलग हो गए थे। घरभरन की पत्नी मोतिया देवी (90) जयराम के साथ अपना जीवन — यापन कर रही थी। मोतिया देवी की कुछ दिन पहले स्वाभाविक मौत हो गई। मां की मौत पर सभी भाई कर्मकाण्ड के लिए घर जुटे हुए थे। शुक्रवार को ब्रह्मभोज था। शनिवार को बरखी था। गांव वालों को भोजन कराने के बाद सभी भाई मां की ज्वेलरी के बंटवारे के लिए आपस में कहासुनी करने लगे। इसी बीच आपस में मारपीट हो गई। केशवर कुशवाहा (35) को गंभीर चोट लग गई। रिश्तेदारों और परिजनों के सहयोग से कसया सीएचसी ले जाया गया। वहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। केशवर की पत्नी प्रमिला ने हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने विद्यासागर सहित तीन को हिरासत में लेकर पुछताछ कर रही है। शांति व्यवस्था को लेकर गांव में पुलिस तैनात है। उधर पिता की मौत से बेटी गुड्डिया (15), आलोक (13), अनीश (10) का रो – रोकर बुरा हाल है। केशवर पूना रहकर शेटरिंग का कार्य करते थे। मामूली विवाद में केशवर की जान चली गई।

आगामी त्योहारों को लेकर पाली में पुलिस-प्रशासन मुस्तैद,सड़कों पर उतरा भारी पुलिस बल,निकाला फ्लैग मार्च



‘रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’
‘पाली–(हरदोई)’ आगामी पर्वों दशहरा,दीपावली एवं रामलीला महोत्सव को शांतिपूर्ण,सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न करने के उद्देश्य से पाली करखे में पुलिस– प्रशासन पूरी तहह अलर्ट मोड़ पर आ गया है। पुलिस अधीक्षक के निदेशानुसार नगरवासियों में पुष्का और

शांति का भाव सुदृढ़ करने के लिये शनिवार को प्रशासनिक अधिकारियों ने भारी पुलिस बल के साथ करखे के प्रमुख मार्गों एवं बाजारों में पैदल भ्रमण कर फ्लैग मार्च निकाला। सवायजपुर एसडीएम शिवानी सिंह और सीओ संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में निकले इस फ्लैग मार्च में प्रभारी निरीक्षक विजय

’रात में घर के अंदर बंधे दो बकरे चोरी,पुलिस से कार्यवाही की गुहार’

‘ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’
‘शहजहांपुर’ थाना सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम इटौरा(बंजर) में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए वहाँ बंधे दो बकरों पर हौथ साफ कर दिया। पीड़ित ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग की है। ग्राम इटौरा(बंजर) पोस्ट–खिरियाहीर तहसील सदर निवासी दिवारी पुत्र ठकुरी ने बताया कि 11 अक्टूबर 2026 की रात लगभग 12 बजे उनके घर पर दो बकरे बँधे हुए थे। दोनों बकरों की कुल कीमत लगभग 15000 रुपये थी। देर रात अज्ञात चोर मौका पाकर बकरों को खोलकर ले गए। सुबह जब परिजनों को चोरी की जानकारी हुई तो उन्होंने आसपास तलाश की,लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पीड़ित दिवारी ने थाना सेहरामऊ दक्षिणी पुलिस को लिखित तहरीर देकर मामले की रिपोर्ट दर्ज करने और कानूनी कार्यवाही का अनुरोध किया है।

नवरात्रि, दुर्गापूजा और दशहरा को लेकर पुलिस अलर्ट, मूर्ति निर्माण स्थलों व विसर्जन घाटों का निरीक्षण

अयोध्या [रविवार देर शाम नवरात्रि, दुर्गापूजा और दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिले के सभी सीओ ने अपने अपने सक्रिल क्षेत्रों में मूर्ति निर्माण स्थलों,दुर्गा पंडालों और प्रतिमा विसर्जन स्थलों



का निरीक्षण किया।इस मौके पर सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी, सीओ रुदौली अरविंद सोनकर,सीओ मिल्कीपुर पीयूष,सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी,सीओ सदर प्रतीक कुमार, सीओ बीकापुर, ने अपने–अपने क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।इन अधिकारियों ने संबंधित क्षेत्र के प्रभारी निरीक्षक तथा थाना अध्यक्ष को निर्देश दिया के संवेदनशील तथा अति संवेदनशील दुर्गा पूजा तथा रामलीला स्थलों पर सुरक्षा के पर्याप्त संख्या में इंतजाम किए जाएं साथ ही साथ एंटी रोमियो में शामिल महिला उपनिरीक्षकों को भी वर्दी तथा सादे वर्दी में भी तैनात रखा जाए। साथ ही साथ निरीक्षण पर निकले इन अधिकारियों ने दुर्गा पूजा तथा रामलीला समिति के पदाधिकारी से अपील किया कि इस दौरान एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखे

लगन सीजन में सुगम यातायात के लिए बारात के समय निर्धारण पर जोर

प्रयागराज, (संवाददाता)। आगामी लगन सीजन में प्रयागराज की यातायात व्यवस्था को सुचारू, व्यवस्थित एवं सुगम बनाए रखने तथा आम जनमानस को जाम की समस्या से राहत दिलाने के उद्देश्य से आज शुक्रवार को पुलिस लाइंस स्थित त्रिवेणी सभागार में पुलिस यातायात द्वारा इलाहाबाद गेस्ट हाउस एसोसिएशन, टेंट डेकोरेटर्स एवं कैंटरर्स एसोसिएशन सहित संबंधित संगठनों के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में लगन के दौरान बारात के समय को निर्धारित करने, यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने तथा प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति को नियंत्रित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में इस बात पर विशेष ध्यान आकर्षित किया गया कि लगन के दौरान रात लगभग 8रु30 बजे से 10रु30 बजे तक सड़कों पर वाहनों का दबाव काफी बढ़ जाता है। वहीं, रात 10 बजे के बाद नो–एंट्री खुलने पर भारी वाहनों सहित अन्य वाहनों के आवागमन और वैवाहिक आयोजनों से जुड़े यातायात के कारण कई प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका रहती है। इस अवसर पर इलाहाबाद गेस्ट हाउस एसोसिएशन के अध्यक्ष गुफरान अहमद ने वैवाहिक आयोजनों के दौरान सामने आने वाली यातायात संबंधी समस्याओं को अधिकारियों के समक्षोंता विस्तारपूर्वक रखा।

17 अक्टूबर के कार्यक्रम को लेकर अपना दल (एस) जनसंपर्क अभियान तेज

प्रयागराज, (संवाददाता)। प्रतापगढ़ की विधानसभा विश्वनाथगंज क्षेत्र के अंतर्गत नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह के वार्ड संख्या 7 एवं वार्ड संख्या 13, जगदीशपुर में अपना दल (एस) के पदाधिकारी ने घर–घर जाकर जनसंपर्क अभियान चलाया। 17 अक्टूबर को डॉ. सोनेलाल पटेल के परिनिर्वाण दिवस पर जीआईसी मैदान में होने वाले कार्यक्रम में भारी से भारी। संख्या में पहुंचने के लिए लोगों से निवेदन किया गया। जनसंपर्क अभियान में विश्वनाथगंज विधानसभा क्षेत्र के विधायक जीतलाल पटेल उपस्थित रहे। वे लोगों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इसे सफल बनाने की अपील की। अभियान के दौरान पदाधिकारियों ने आमजन को कार्यक्रम की जानकारी देते हुए डॉ. सोनेलाल पटेल के विचार, सामाजिक न्याय और वंचितों के अधिकारों के प्रति उनके योगदान को जन–जन तक पहुंचाने का संदेश दिया।

साम्न्ध हिन्दी दैनिक	देश की उपासना
स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मो0 – 7007415808, 9415034002 Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com	
समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।	